Date: / /

रेशम के प्रकार →

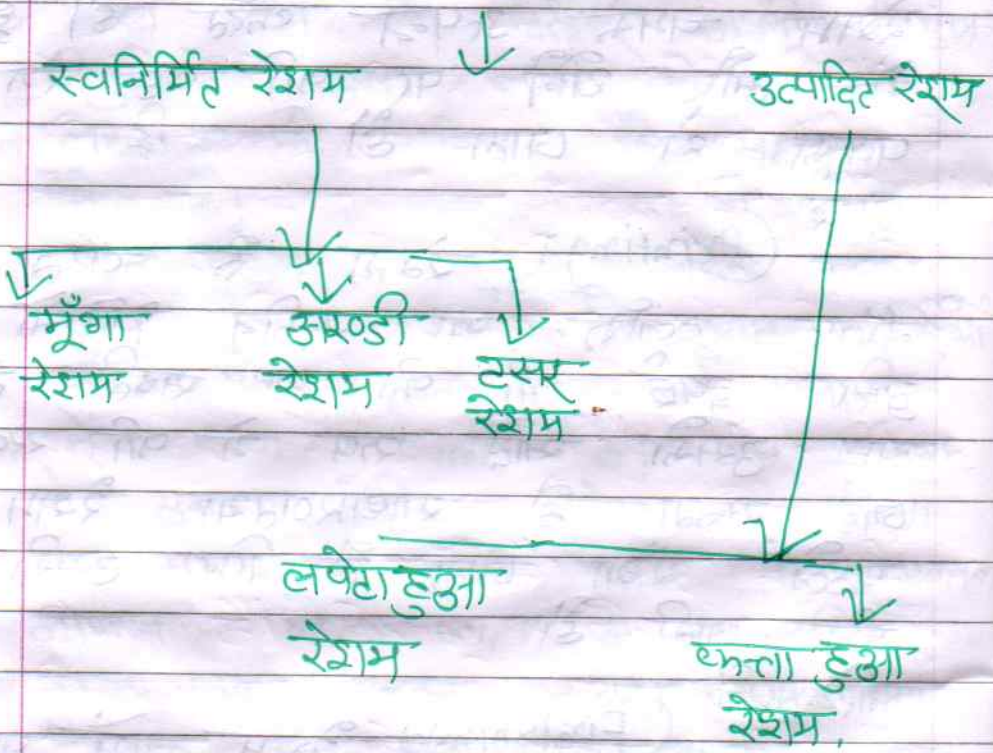

स्वनिर्मित रेशम या जंगली रेशम →

(Wild silk)

भारत, चीन तथा पूर्वी देशों के कई भागों में विभिन्न प्रकार के स्वनिर्मित रेशम पाई जाती है। इस रेशम में कीड़े पाले नहीं जा सकते हैं। इन कोकूनों से निकाला हुआ रेशम घटिया तथा कड़ा होता है। बहुधा इसका रंग भूरा होता है। क्यों कि इसके कीड़े अधिकतर ओक वृक्ष पर पलते हैं। जिससे इनमें टैनिक ऐसिड का प्रभाव आ जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

(i) मूँगा रेशम (Moonga silk) यह टसर से उत्तम प्रकार की होती है। साधारणतः इसका प्रयोग मिश्रित रेशों के वस्त्र बनाने के लिए किया जाता है।

(ii) अरण्डी रेशम → (Eri silk) यह बंगाल तथा आसाम में बहुतायत से होता है। अरण्डी वृक्षों के पत्तों पर पलने वाले कीड़े आसाम, बिहार तथा पश्चिमी बंगाल में पाये जाते हैं। इसके कोकून बहुत ही कोमल सफेद अथवा पीले रंग के होते हैं।

(iii) टसर रेशम (Tassar silk) इसके कीड़े ओक या बबूल के वृक्षों पर पलते हैं। इसका सर्वाधिक उत्पादन भारत व चीन में होता है।

2- उत्पादित रेशम → (Cultivated silk) सफेद गाढ़ा पदार्थ, मोम तथा रंगीन पदार्थों से बना रहता है। जो कि रेशम के कीड़े द्वारा रेशम बनाते समय अपने शरीर से स्राव किया जाता है इस रेशम का रंग भूरा, सफेद से लेकर हल्के पीले रंग तक का होता है। किंतु यह रंग स्व पदार्थों का होता है। अतः कोकूनों के उबालने पर रेशम का रंग सफेद हो जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

(i) लपेटा हुआ रेशम → (Reeled silk) यह रेशम का अविरल धागा होता है। जीसकी लम्बाई दाई सौ से लेकर पन्द्रह सौ मीटर तक की होती है। लम्बे रेशों को धुनने और कंघी करने की आवश्यकता नहीं होती है।

(ii) कता हुआ रेशम (Spun silk) साधारणतः यह रेशम अशुद्ध रेशम के नाम से जाना जाता है। यह ऐसा रेशम होता है। जिसको कोकूनो पर से निकालकर चर्खी पर लपेटना सम्भव नहीं होता है। यह रेशम ऐसे कोकूनों से प्राप्त किया जाता है। जिन्हे फाड़कर कीड़े बाहर निकल आते है। तथा कोकूनो को पर्याप्त मात्रा में हानि पहुंचा देते है।

कते हुए रेशम की तानने की शक्ति कम हो जाती है। लचक भी कम हो जाती है। तथा आकृति में रुई के वस्त्र के समान दिखाई देने लगता है।

आचार्य 26/09/2020
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया